SEEDLING
THE WORLD SCHOOL

अभ्यास पत्रक सत्र 2019–20
विषय – हिन्दी (पेपर–2)
कक्षा – IV

नाम :..... क्रमांक : दिनांक .....
समय : 1 घण्टा अंक – 15

खण्ड 'क' अंक – 3

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर निम्न प्रश्नों के पूरे–पूरे उत्तर लिखिए –

मूर्ख बकरियाँ

एक गाँव के समीप एक नदी बहती थी। उस पर वृक्ष के तने का एक पुल पड़ा था। वह पुल इतना तंग था कि उससे एक समय में एक ही व्यक्ति गुजर सकता था।

एक बार एक बकरी उस पुल पर से गुजरने लगी। दूसरी तरफ से एक और बकरी उसी पुल पर चली आई। वे दोनों पुल के ठीक बीचों–बीच एक दूसरे के सामने आकर डटकर खड़ी हो गई।

एक बकरी ने गुस्से में कहा – 'पहले मुझे गुजरने दे। तू पहले मुझे गुजरने दे। तू पीछे चली जा।' दूसरी बोली– 'नहीं, मैं पीछे की ओर नहीं जाऊँगी। इतनी दूर आगे आ चुकी हूँ। तू ही क्यों नहीं पीछे मुड़ जाती ? पहले मुझे पार जाने दे।'

दोनों बकरियाँ मूर्ख थीं। कोई भी पीछे न मुड़ी। जिद की मारी दोनों अड़ गई। फिर आपस में उलझ पड़ीं। परिणाम यह हुआ कि दोनों नदी में गिर पड़ीं और डूब गई।

शिक्षा – मूर्ख लोग जिद पर अड़कर हानि उठाते हैं।

प्र.1. एक बकरी को पुल पर आते देखकर दूसरी बकरी को क्या करना चाहिए था ? (1)

उत्तर .....

.....

.....

प्र.2. गुस्सा करना अच्छी बात है या गन्दी । समझाओ ? (1)

उत्तर .....

.....

.....

प्र.3. क्या हमें भी बकरियों की तरह लड़ाई करनी चाहिए ? (1)

उत्तर .....

.....

.....

प्र.4. दोनों बकरियों के उलझने का क्या परिणाम निकला ? (1)

उत्तर .....

.....

.....

प्र.5. मूर्ख लोगों को क्या नुकसान होता है ? (1)

उत्तर .....

.....

.....

खण्ड 'ख' अंक – 35

प्र.1 हमें हमेशा समझदारी से काम करना चाहिए । समझदारी पर आधारित कहानी लिखिए । (6)

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

प्र.2 दोनों बकरियों की बातचीत को संवाद के रूप में लिखिए। (4)

पहली बकरी.....

.....

.....

दूसरी बकरी.....

.....

.....

पहली बकरी.....

.....

.....

दूसरी बकरी.....

.....

.....

पहली बकरी.....

.....

.....

दूसरी बकरी.....

.....

.....

पहली बकरी.....

.....

.....

दूसरी बकरी.....

.....

.....

SEEDLING
THE WORLD SCHOOL

अभ्यास पत्रक सत्र 2019–20
विषय – हिन्दी (पेपर–1)
कक्षा – IV

नाम :..... क्रमांक : दिनांक .....

समय : 1 घण्टा अंक – 15

खण्ड 'क'

गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्न प्रश्नों के पूरे–पूरे उत्तर लिखिए –

सही समय पर सही चुनाव करने वाला व्यक्ति सदैव सफलता प्राप्त करता है। चुनाव में असावधान व्यक्ति कभी सफलता की चोटी पर नहीं चढ़ पाता । जो व्यक्ति अपने दैनिक कार्यक्रमों में सजगता के साथ उपयुक्त चुनाव नहीं करता और महत्व की दृष्टि से उनमें ठीक – ठीक क्रम नहीं बिठा पाता , वह व्यक्ति न ठीक समय पर कोई कार्य पूरा कर सकता है और न अपने कर्मों को श्रेष्ठता और कलात्मकता ही दे पाता है। होना यह चाहिए कि हम सोच – समझकर तय करें कि हमें किस समय उठना है , किस समय सोना है और किस समय , क्या और कितना खाना है तथा किस समय अध्ययन करना है खेल – कूद और व्यायाम के लिए समय का चुनाव करना है । चुनाव करते समय हमें अपने मित्रों के प्रति भी बहुत सावधानी बरतनी होगी । यह चुनाव हमारें जीवन की अनेक सफलताओं और असफलताओं के लिए जिम्मेदार होता है । सच्चा मित्र जहाँ हमें सन्मार्ग पर ले जाता है , वही कुमित्र पतन के गर्त में ढकेल देता है , तथा हमारे जीवन को अनके दुर्गुणों से भर देता है।

प्र.1. कौनसा व्यक्ति सदैव सफलता प्राप्त करता है ? (1)

उत्तर .....

.....

.....

प्र.2. किस प्रकार के व्यक्ति अपने कार्यों को सुंदर और कलात्मक ढंग से व्यक्त नहीं कर पाते ? (1)

उत्तर .....

.....

.....

प्र.3. हमें अपने मित्रों के चुनाव में सावधानी क्यों बरतनी चाहिए ? (1)

उत्तर .....

.....

.....

प्र.4. सच्चा मित्र और कुमित्र हमारे जीवन को किस प्रकार प्रभावित करता है ? (1)

उत्तर .....

.....

.....

प्र.5. कौनसा व्यक्ति कभी सफलता की चोटी पर नहीं चढ़ पाता है ? (1)

उत्तर .....

.....

.....

खण्ड 'ख'

प्र.1 गद्यांश में से दो संज्ञा शब्द ढूँढकर लिखिए – (1)

(1) ..... (2) .....

प्र.2 निम्न शब्दों के विलोम लिखिए – (1)

(1) सदगुण– ..... (2) असफल –.....

प्र.3 निम्नलिखित वाक्य को पढ़कर काल बताइए– (1)

(1) सच्चा मित्र हमें सन्मार्ग पर ले जाता है। .....

प्र.4 निम्न शब्दों के वचन बदलिए – (1)

(1) मित्र– ..... (2) सफलता –.....

प्र.5 गद्यांश में से ढूँढकर दो समानार्थक शब्द लिखिए – (1)

(1) चयन – .....

(2) हमेशा –.....

खण्ड 'ग'

अंक –05

प्र.1 अपने मित्र को पत्र लिखकर अच्छे मित्र के गुणों को बताइए – (2)

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

प्र.2 प्रधानाचार्या जी को दो दिन के अवकाश लिए प्रार्थना पत्र लिखिए कि आपको अपने दोस्त के घर जयपुर जाकर उसे सन्मार्ग के बारे में समझाना है।

(3)

.....

.....

.....

.....

.....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....